

प्रेषक,

शैलेश बगौली,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अनुभाग

देहरादून : दिनांक : 29 मार्च 2017

विषय:- वित्तीय वर्ष 2016-17 में युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग की 18-युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन 42-अन्य व्यय योजना के अंतर्गत अवशेष बजट को राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन के अवशेष देयकों पर व्यय करने की स्वीकृति प्राप्त करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1953/दो-लेखा/2953/2016-17 दिनांक 27.03.17 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग की 18-युवा कल्याण विभाग द्वारा ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन 42-अन्य व्यय योजना के अंतर्गत शासनादेश संख्या-633/VI-2/2016-51(03)2016 टी0सी0-2 दिनांक 07.12.16 के द्वारा रु0 34.92 लाख तथा शासनादेश संख्या-29/VI-2/2017-51(03)2016 टी0सी0-2 दिनांक 23.03.17 के द्वारा रु0 25.00 लाख उपलब्ध कराये गये हैं।

2. उपलब्ध कराये गये बजट के सापेक्ष जनपद देहरादून के द्वारा रु0 3.90 लाख, जनपद पिथौरागढ़ के द्वारा रु0 9.60 लाख एवं जनपद बागेश्वर के द्वारा रु0 5.25 लाख मात्र की धनराशि, इस प्रकार कुल रु0 18.75 लाख मात्र की धनराशि विधानसभा चुनावों को दृष्टिगत रखते हुए आदर्श आचार संहिता लगने के कारण जनपदों द्वारा व्यय न किये जाने के फलस्वरूप विभागाध्यक्ष को समर्पित की गयी है। समर्पित की गयी उक्त धनराशि के सापेक्ष रु0 18.00 लाख की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन उपभोग/व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(1) इस शासनादेश में उल्लिखित धनराशि के आहरण वितरण तथा उपयोग की पूर्ण सूचना बाउचर संख्या तथा आहरण की तिथि सहित शासन को शीघ्र भेजी जायेगी। प्रतिहस्ताक्षरित उपयोगिता प्रमाण-पत्र भी अनिवार्यतः शासन को प्रेषित किया जायेगा।

(2) उक्त व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्य/मद पर सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति अपेक्षित है। वित्तीय हस्त पुस्तिका में उल्लिखित सुसंगत नियमों का अनुपालन किया जाय।

(3) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृत की जा रही है। यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि स्वीकृत धनराशि से प्रथम बार प्रस्तुत बीजकों का ही भुगतान किया जाए।

(4) धनराशि व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।

- (5) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यावर्तन अन्य मदों में नहीं किया जायेगा एवं मितव्ययिता की मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जायेगा।
- (6) उपरोक्त योजनान्तर्गत यदि कोई कार्य किसी अन्य मद/योजना से करा लिया गया है, तो उक्त कार्य के सापेक्ष धनराशि राजकोष में जमा कर दी जाय।
- (7) उक्त धनराशि के नियमानुसार शत-प्रतिशत सदुपयोग हेतु सम्बन्धित पूर्णतया उत्तरदायी होंगे।

भवदीय,

(शैलेश बगौली)
प्रभारी सचिव।

पृष्ठांकन संख्या- 94 / VI-2 / 2017-51(03)2016 टी0सी0-2 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त अधिकारी, साईबर ट्रेजरी, देहरादून।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
- ✓ 5. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(शिव विभूति रंजन)
अनुसचिव।